मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 141 ■ सोमवार, 19 अगस्त 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

शाहरुख के पास हैं 300 अवॉर्ड्स

गंगोत्री वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा
गोल मैदान पर कैंडल मार्च

■ आरोपी को फांसी से कम की सजा न हो- गंगोत्री
■ पुरुषों की मानसिकता को बदलना जरूरी- धामी

उल्हासनगर. पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर पर हुए अत्याचार और निर्मम हत्या के विरोध में शनिवार शाम 7 बजे साधु वासवानी पुतला गोल मैदान पर गंगोत्री वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कैंडल मार्च का आयोजन किया गया और पीड़िता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

फाउंडेशन अध्यक्ष भारत गंगोत्री व सोनिया धामी के नेतृत्व में यह कैंडल मार्च और मूक मोर्चा निकाला गया। इस मार्च में कॉलेज की छात्राएं, डॉक्टर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी सहित कई समाजसेवी व आम नागरिक शामिल हुए। कैंडल मार्च के बाद अध्यक्ष भारत गंगोत्री ने पुलिस व सरकार से मांग की है कि इस तरह के घिनौना कृत्य करने वाले आरोपी को फांसी से कम की सजा नहीं होनी चाहिए।

वहीं श्रीमती सोनिया धामी ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए और पुरुषों की मानसिकता को बदलना जरूरी है इसके लिए भी कदम उठाने चाहिए। इस घटना का कड़ा विरोध देखा गया।

क्राइम डायरी...

बंद घर से आभूषण चोरी

कल्याण. विष्णुनगर पुलिस स्टेशन की हद में एक बंद घर की कड़ी-कुंडी तोड़कर 9 लाख लाख 50 हजार रूपये कीमत के आभूषण चोरी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है. घर मालिक सुरेंद्र दौलतराव शिंदे कहीं बाहर काम से गए थे, इसी दौरान अज्ञात चोरों ने सुरेंद्र के बंद घर की कड़ी-कुंडी तोड़कर 9 लाख 44 हजार 500 रूपये कीमत के आभूषण चोरी कर लिए.इस मामले में घर मालिक सुरेंद्र दौलतराव शिंदे की शिकायत पर विष्णुनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चोरी-घरफोड़ी का मामला दर्ज कर लिया है.

सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि सोमवार को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर 'उल्हास विकास' कार्यालय बंद रहेगा. अतः अगला अंक बुधवार को पाठकों के समक्ष होगा. असुविधा के लिए खेद है.

-संपादक

उल्हासनगर में फायरिंग

दो राउंड फायर
मानेरा गांव में रविवार तड़के की वारदात

■ हमलावर बाईक पर सवार थे
■ रिक्शा चालक भोईर पर हुआ अटैक
■ फायरिंग सीसीटीवी में कैद

उल्हासनगर. उल्हासनगर. विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में रविवार तड़के एक रिक्शा चालक के घर पर गोलीबारी की घटना हुई। इस घटना से हड़कंप मच गया. सुबह करीब 4:30 बजे दोपहिया वाहन पर एक अज्ञात हमलावर उनके घर के बाहर आया और घर के दरवाजे और खिड़की पर दो राउंड गोलियां चलाईं। सौभाग्य से, कोई घायल नहीं हुआ।

उल्हासनगर 4 के मानेरेगांव में आज तड़के सुबह करीब 4:30 बजे सनसनीखेज वारदात हुई. अज्ञात बाइक सवार ने रिक्शा चालक प्रमोद भोईर के घर पर नजदीक से दो गोलियां चलाईं। फायरिंग की आवाज से घबराकर प्रमोद भोईर व उनके परिवारजन नींद से जाग गए. गोलीबारी की इस घटना से इलाके में डर का माहौल फैल गया है. सौभाग्य से, हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही विट्ठलवाड़ी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. सीसीटीवी फुटेज में दोपहिया वाहन पर सवार हमलावर को भोईर के घर की ओर आते हुए दिखाया दे रहे हैं, जिससे पुलिस को जांच में मदद मिलेगी। मामले की आगे की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवाल ने इस हमले को गंभीरता से लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीम को अलर्ट कर दिया गया है.

DCP के तबादले पर स्थगन

उल्हासनगर. पुलिस उपायुक्त डॉ. सुधाकर पठारे का राज्य के गृह विभाग ने ट्रांसफर पर स्थगन लगा दिया है. बहरहाल डॉ. सुधाकर पठारे परिमंडल-4 की कानून व्यवस्था को संभालेंगे.

गौरतलब है की राज्य के गृह विभाग ने हाल ही में महाराष्ट्र के 17 आई.पी.एस. अधिकारियों का ट्रांसफर किया था. जिसमें परिमंडल-4 के पुलिस उपायुक्त डॉ. सुधाकर पठारे का भी समावेश था. उनकी जगह पर जब तक नये पुलिस उपायुक्त चार्ज लें, तब तक परिमंडल-3 कल्याण के पुलिस उपायुक्त सचिन गुंजाल को प्रभारी पद भार सौंपा गया था.

बताया जाता है कि डीसीपी डॉ. सुधाकर पठारे को सतारा पुलिस अधीक्षक के रूप मे ट्रांसफर किया गया था और उल्हासनगर परिमंडल-4 का पदभार पुलिस उपायुक्त कोकाटे संभालने वाले थे. लेकिन गृह विभाग से आये नए आदेश ने राज्य के दो आयपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर आदेश पर बहरहाल रोक लगा दिया है.

ठाणे रिंग मेट्रो को केंद्र की मंजूरी

ठाणे. विधानसभा चुनाव की घोषणा से दो महीने पहले ही केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर मेहरबानी बरसाई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में ठाणे शहर के भीतर रिंग मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी दे दी गई. 2029 तक पूरा होने वाला यह प्रोजेक्ट 12 हजार 200 करोड़ रुपये का है.

इस संबंध में केंद्र सरकार ने एक बयान में कहा है कि ठाणे शहर के अंतर्गत मेट्रो रेल मार्ग की लंबाई 29 किमी है. इस रूट से नौपाड़ा, वागले एस्टेट, डोंगरीपाड़ा, हीरानंदानी एस्टेट, कोलशेत, साकेत आदि हिस्से जोड़े जाएंगे. ठाणे पश्चिम में स्थापित होने वाली इस परियोजना में 22 स्टेशन होंगे. इस परियोजना की बदौलत ठाणे शहर को परिवहन का बेहतर साधन उपलब्ध कराया जाएगा. 12,200 करोड़ रुपये की इस परियोजना में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बराबर की भागीदारी होगी. साथ ही इस फंड की कुछ राशि अन्य वित्तीय संस्थानों से भी जुटाई जाएगी.

बदलापुर में दो नाबालिग छात्राओं का यौन शोषण

■ अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं
■ बदलापुरवासियों में आक्रोश

बदलापुर. बदलापुर में एक ही स्कूल में चार साल की दो छात्राओं के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है. इस संबंध में बदलापुर थाने में मामला दर्ज कराया गया है और पुलिस ने अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है.

बदलापुर शहर में मानवता को कलंकित करने वाली एक घटना घटी है. एक प्रतिष्ठित स्कूल की चार साल की 2 बच्चियों के साथ दुराचार की घटना सामने आई है. इस मामले में एक लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया है, जबकि दूसरी लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया है. बदलापुर पूर्व पुलिस स्टेशन में POCSO अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बताया जाता है कि जब ये लड़कियां टॉयलेट जा रही थीं तो स्कूल के एक कर्मचारी ने लड़कियों के साथ घिनौनी हरकत की. दोनों लड़कियों ने जब अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी तो माता-पिता ने उनका मेडिकल परीक्षण कराया तो घटना का खुलासा हुआ। ऐसा 12 से 13 अगस्त को हुआ. अभिभावकों द्वारा स्कूल प्रशासन को सूचना देने के बाद एक निजी अस्पताल में बच्चियों की मेडिकल जांच करायी गयी. इसके बाद जांच में पता चला कि लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था.

■ पुलिस ने 12 घंटे तक माता-पिता को थाने में बिठाने के बाद दर्ज किया मामला

■ बताया जाता है कि जब बच्ची के माता-पिता इस मामले में केस दर्ज कराने बदलापुर ईस्ट थाने पहुंचे, तो उन्हें 12 घंटे तक बिठाकर रखा गया और 12 घंटे बाद केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई.

■ बदलापुर में लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है. लोगों का कहना है कि बदलापुर के एक नामी स्कूल में हुई इस घटना से यह बात सामने आ गई है कि स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे विद्यार्थियों को भी नराधमों से नहीं बचाया जा सकता है। इस छोटी बच्ची द्वारा अपने माता-पिता को बताने से यह घटना सामने आई है, इसलिए इस बात की जांच करने की जरूरत है कि क्या इससे पहले किसी अन्य छात्रा के साथ ऐसी घटना हुई है।

रक्षाबंधन पर महंगाई की मार

■ राखी की कीमत में 20% का इजाफा

उल्हासनगर. भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्यौहार यानी रक्षाबंधन. रक्षाबंधन का त्योहार बस कुछ ही दिन दूर है. भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन 19 अगस्त को आ रहा है. लेकिन इस बार रक्षाबंधन पर भी महंगाई की मार पड़ रही है. इस साल राखी की कीमतों में करीब 20 फीसदी की वृद्धि देखी जा रही है.

राखी विक्रेताओं का कहना है कि कच्चे माल सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष राखी की कीमत में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है

इस साल फैंसी राखियां महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई हैं. महिलाएं 'भावा', 'ब्रो' नामक पेंडेंट वाली राखियां भी खरीद रही हैं. अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति राखी इस साल सामने आई है. हमेशा की तरह, बच्चों के लिए डोरेमोन, सुपरमैन और म्यूजिकल राखी भी बाजार में मौजूद है. पचास रुपये से लेकर पांच सौ रुपये तक की साथ ही बच्चों के लिए कार्टून वाली राखियों की मांग अधिक है. इन राखियों में लाइट, म्यूजिक ट्यून और अंदर कैमरा जैसी कुछ खास राखियां भी बाजार में नजर आ रही हैं.

विक्रेताओं का कहना है कि कच्चे माल सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण पिछले साल की तुलना में इस साल राखी की कीमत में 10 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. जो राखी पिछले वर्ष 50 रुपये की थी वह इस वर्ष 55 से 60 रुपये की मिल रही है.

'चुनाव में पैसे के चक्कर में पड़ोगे तो गड्ढे ही मिलेंगे'

उल्हासनगर. शहर के कुछ सामाजिक संगठनों ने मिलकर गड्ढों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया. सड़कों के गड्ढों पर एक वीडियो बनाया गया है जिसमें ऐलान किया गया है कि 'अगर आप विधानसभा चुनाव में पैसे और अन्य प्रलोभनों के आगे झुककर वोट करेंगे तो आपको ऐसी ही सड़कें मिलेंगी' और सोशल मीडिया पर इस समय इसकी चर्चा हो रही है.

विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही शहर के राजनीतिक नेता शहर के मतदाताओं को लोनावला खंडाला की यात्रा पर भेज रहे हैं. विधानसभा चुनाव में भी पैसा दिया जाता है. इस प्रलोभन और वोट के वशीभूत होकर शहर की हालत खराब है, कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है, घटिया सड़कें गड्ढों से भरी हैं, लोग नरक भोग रहे हैं, दुर्घटनाएं हो रही हैं, कई मर रहे हैं, ड्राइवर रीढ़ की बीमारियों से पीड़ित हैं, गाड़ियां जर्जर हो रही हैं, सड़क के गड्ढे भरने के लिए करोड़ों रुपये का ठेका निकालना पड़ रहा है.

सामाजिक संगठनों का आरोप है कि इसके बाद भी स्थिति जस की तस है. शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों, शिव शंकर दुकानदार संघ, राम चौक ऑटो रिक्शा चालक, मिशन जयभारत के आनंद होवाल, गुलशन लुल्ला, दीपक गंभानी, उल्हासनगर कब्रिस्तान समिति के सबीरभाई शेख, समर्पण फाउंडेशन आदि ने गड्ढों के बारे में जागरूकता अभियान चलाया और स्थानीय लोगों से आग्रह किया विधायक और प्रशासन आगामी त्योहार से पहले सड़कों की मरम्मत कराएंगे.

अंबरनाथ प्राणी रुग्णालय के 3 कर्मचारियों पर अपराध दर्ज

■ कुतिया को जान से मारने का आरोप

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व पालेगांव निवासी शीतल शिंगारे ने अंबरनाथ नपा संचालित प्राणी रुग्णालय के ठेकेदार ग्लोबल फाउंडेशन के उत्कर्ष रुग्णालय के तीन कर्मचारियों के खिलाफ अंबरनाथ पुलिस में अपराध दर्ज कराया है. शीतल का आरोप है कि उनकी सोसायटी से उपचार के लिए लाई गई काली कुतिया को कर्मचारी नितेशत गायकवाड़, सागर और देशमुख ने जान से मार दिया है. प्राणी का रक्षक करने वाले ही प्राणियों के भक्षक बन गए हैं. उनकी सोसायटी से एक काली कुतिया को उपचार के लिए रुग्णालय की गाड़ी में उपरोक्त तीनों कर्मचारी लेकर गए थे. शीतल ने उत्कर्ष रुग्णालय को फोन करके सोसायटी में बुलाया था. आधे घंटे के बाद उन्होंने फोन करके कुतिया के बारे में पूछताछ की तो रुग्णालय की ओर से बताया गया कि कुछ कुत्तों ने कुतिया को काटा था. इसलिए उसकी मौत हो गई है. 12 अगस्त को वह डेजी नामक कुत्ते को उपचार के बारे में पूछताछ करने गई तो देखा कि काली कुतिया एक पिंजरे में मरी पड़ी है. उसके मुंह से खून भी बाहर आया हुआ था. उसका शरीर भी फूला हुआ था. शीतल को शक हुआ कि रुग्णालय के कर्मचारियों ने उसकी जान ली है. उन्होंने तीनों कर्मचारियों नितेश गायकवाड़, सागर और देशमुख के खिलाफ भा.न्या.सं. 2023 के दफा 325 और प्राणी प्रताड़ना प्रतिबंधक अधिनियम 1960 के 11 (1) (9) के अनुसार अपराध दर्ज कराया है. जानकारी मिली है कि मृतक कुतिया का पोस्टमार्टम भी किया गया है.

अंबरनाथ में डंप होगा मुंबई का जैविक कचरा?

■ जांभिवली औद्योगिक एस्टेट में भूखंड आवंटन की कोशिशें

अंबरनाथ. प्रदूषण के कारण विवादों में रहा मुंबई के गोवंडी और देवनार इलाके का जैविक कचरा उपचार संयंत्र जल्द ही अंबरनाथ में स्थानांतरित हो रहा है. महाराष्ट्र उद्योग विभाग ने अंबरनाथ के जांभीवली में औद्योगिक एस्टेट में इस परियोजना के लिए भूमि का एक भूखंड आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. यह परियोजना रायगढ़ जिले के वाशिवली के वडगांव ग्राम पंचायत क्षेत्र में शुरू की जानी थी हालांकि, स्थानीय विरोध के बाद इसे अंबरनाथ के पास लाया जा रहा है.

मुंबई के गोवंडी और देवनार इलाके में प्रदूषण का मुद्दा विधानसभा में उठाए जाने के बाद ऐसी परियोजनाओं को रायगढ़ जिले में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी. दो वर्ष पहले, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों के अनुसार 'एसएमएस इनवोक्लिन प्राइवेट लिमिटेड' को जगह देने के लिए प्रयास चल रहे थे. चूंकि जैविक कचरा बृहन्मुंबई नगर निगम की एक महत्वपूर्ण सेवा है, इसलिए मुंबई के पास के क्षेत्र में इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए मनपा के माध्यम से जगह उपलब्ध कराने की मांग की गई थी.

तदनुसार, संबंधित कंपनी को संयुक्त जैविक अपशिष्ट प्रसंस्करण और निपटान सुविधा के लिए पातालगंगा, बोरीवली-औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए मंजूरी दी गई थी. लेकिन वाशिवली, वडगांव की समूह ग्राम पंचायत के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और संगठनों ने एमआईडीसी में शिकायत दर्ज की.

परियोजना का विरोध होते देख इससे बोरीवली गांव, बोरीवली ठाकुरवाड़ी, कैरे, कैरे आदिवासीवाड़ी, शिवाजीनगर कैरे, वडगांव और आसपास के अन्य इलाकों में कचरे से दुर्गंध फैल जाएगी. इस परियोजना के कारण क्षेत्र में बीमारियाँ बढ़ेंगी और बहुत अधिक वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण होगा. यह परियोजना मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत खतरनाक और खतरनाक थी. इसलिए इस प्रोजेक्ट को रायगढ़ से ठाणे जिले के अंबरनाथ इलाके में लाने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं. नागरिकों ने आरोप लगाया है कि मानव स्वास्थ्य पर जैविक अपशिष्ट परियोजना के खतरनाक प्रभावों पर कोई विचार नहीं किया गया है.

23,763 वर्ग मीटर का प्लॉट

अतिरिक्त अंबरनाथ औद्योगिक एस्टेट में प्लॉट नं. जंभीवली चरण-4 इस परियोजना के लिए 23,763 वर्ग मीटर भूखंड जेबी-33 का आवंटन चल रहा है. महाराष्ट्र औद्योगिक विभाग की हालिया बैठक में बोर्ड ने राय दी है कि अनुरोधित प्लॉट एक नियोजित प्लॉट है और उपलब्ध है. इसलिए जल्द ही फैसला होने की संभावना है. प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुंबई के देवनार और गोवंडी में बायो-वेस्ट प्लांट को अंबरनाथ में स्थानांतरित कर दिया जाएगा.

विरोध की आशंका

अंबरनाथ शहर में औद्योगिक संपदाओं में पहले से ही प्रदूषण बढ़ा हुआ है. जल एवं वायु प्रदूषण के कारण नागरिक अक्सर परेशान रहते हैं. इसलिए अंबरनाथ में भी ऐसे प्रोजेक्ट का विरोध होने की आशंका है. इससे पहले बृहन्मुंबई मनपा ने यहां कूड़ा प्रोजेक्ट लाने की कोशिश की थी, लेकिन इसका विरोध हुआ था.

कल्याण-डोंबिवली में 118 हेक्टेयर सरकारी जमीन पर 8573 अवैध निर्माण

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका सीमा और कल्याण तालुका की ग्रामीण सीमा में 118 हेक्टेयर 18 एकड़ सरकारी भूमि पर आठ हजार 573 अवैध निर्माण खड़े हैं. व्यावसायिक, आवासीय और कृषि तीन श्रेणियों में ये अवैध निर्माण स्थानीय प्रशासन से बिल्डिंग परमिट प्राप्त किए बिना किए गए हैं, जिससे महानगर पालिका और सरकार के राजस्व को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है.

कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका सीमा में वर्ष 2007 तक 67 हजार 947 अवैध निर्माणों का मामला बॉम्बे हाई कोर्ट में लंबित है. इसके बाद के सत्रह वर्षों में मनपा सीमा में 97 हजार से अधिक नए

अवैध निर्माण हुए हैं. स्थानीय निवासी और याचिकाकर्ता हरिश्चंद्र म्हात्रे ने जनहित याचिका के जरिए बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया है कि कडोंमपा इलाके में 1 लाख 65 हजार अवैध निर्माण हैं.

म्हात्रे की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने राजस्व विभाग को जनवरी में कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका और ग्रामीण सीमा में अवैध निर्माणों की संख्या के बारे में जानकारी देने का आदेश दिया. कल्याण उपविभागीय अधिकारी विश्वास गुजर ने कडोंमपा और ग्रामीण सीमा में अवैध निर्माण के संबंध में तहसीलदार सचिन शेजल की रिपोर्ट अदालत को सौंपी है.

■ शहरी अवैध निर्माण

कल्याण डोंबिवली पालिका शहरी क्षेत्र में सरकारी जमीन पर 7793 इमारतें, चाली, 459 व्यावसायिक अवैध निर्माण हैं. ठाकुर्ली में 1,639 अवैध संरचनाएं, 43 हेक्टेयर और 37 एकड़ क्षेत्र में 423 व्यावसायिक संरचनाएं, टिटवाला में 15 हेक्टेयर और 15 एकड़ क्षेत्र में 2,573 अवैध संरचनाएं, 31 हेक्टेयर क्षेत्र में 3581 अवैध संरचनाएं हैं.

■ ग्रामीण निर्माण

कल्याण ग्रामीण के म्हारल मंडल डिवीजन के नडगांव में 28 हेक्टेयर 25 एकड़ क्षेत्र पर 800 अवैध निर्माण हैं. म्हारल में सर्वेक्षण संख्या 19 पर 17 हेक्टेयर 9 एकड़ क्षेत्र में 564 घर, तीन वाणिज्यिक भवन और चार कृषि स्थल हैं. नदगांव में सर्वे क्रमांक 11 में 11 हेक्टेयर 15 एकड़ भूमि पर 216 अवैध मकान, 13 स्थानों पर खेती होती है.

■ एमआईडीसी सेक्टर प्रभावित

डोंबिवली एमआईडीसी की 89 एकड़ (36 हेक्टेयर) भूमि पर अवैध निर्माण खड़ं है. महानगर पालिका ने डोंबिवली में अवैध इमारतों के साथ महारेरा पंजीकरण प्रमाणपत्र संलग्न करने के लिए 65 माफियाओं पर मामला दर्ज किया है. आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ द्वारा अदालत को यह आश्वासन देने के बावजूद कि मनपा सीमा के भीतर कोई नया अवैध निर्माण नहीं किया जाएगा, अनगिनत अवैध निर्माण जारी हैं. 65 महारेरा मामले में अधिकांश इमारतों का निपटारा नहीं किया गया है.

> कल्याण तालुका सीमा के भीतर सरकारी भूमि पर अधिकांश निर्माणों पर कार्रवाई की गई है. कुछ संरचनाएँ आवासीय हैं. व्यावसायिक इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया है. बरसात के बाद ध्वस्तीकरण अभियान तेज किया जाएगा.
>
> **- विश्वास गुजर,** उपमंडल अधिकारी, कल्याण.

मदनसिंग उद्यान को जाने वाले रास्ते के निर्माण कार्य का उद्घाटन

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के मदनसिंग मनवीर सिंग उद्यान को जाने वाला रास्ता और बाजू से जानेवाली गटर की दुरावस्था होने से वरिष्ठ नागरिक, महिलाओं, विद्यार्थियों को परेशानी हो रही थी. गत 25 वर्षों से यहां किशोर सिद्धी क्रीड़ा मंडल द्वारा गणेशोत्सव मनाया जाता है. यहां के नागरिसों ने ये मसला यहां के कांग्रेस के पूर्व नगरसेवक विलास जोशी के निर्देश में लाकर देने के बाद जोशी ने अंबरनाथ नगर परिषद मुख्याधिकारी से पत्र व्यवहार करके मदनसिंग उद्यान को जानेवाले रास्ते का कंक्रीटीकरण रास्ता मंजूर करा कर लिया. रास्ते का एवं बाजू के गटर निर्माण कार्य का शुभारंभ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष एड. यशवंत जोशी एवं परिसर के वरिष्ठ नागरिकों के हाथों श्रीफल तोड़कर कार्य की शुरूआत कर दी गई है. एड. यशवंत जोशी, शौकत शेख का एवं वरिष्ठ नागरिकों का शॉल देकर सम्मान किया गया. पूर्व नगरसेवक विलास जोशी के प्रयत्न से ये कार्य हुआ है. इसके लिए यहां के निवासियों ने विलास जोशी का सत्कार करके उनका आभार व्यक्त किया गया. उस समय उपरोक्त मान्यवरों के अलावा जमसू नजरत, शौकत शेख, प्रकाश कसोटे, मजीद शेख, सतीश सुले व अनेक मान्यवर उपस्थित थे.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

तालिबान शासन में महिलाएं

दुनिया भर में तालिबान को कट्टर धार्मिक विचारधारा और प्रतिगामी मूल्यों के वाहक के तौर पर ही जाना जाता है। मगर उम्मीद की जाती थी कि अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद उसके भीतर कुछ बदलाव आएगा और वह देश के समग्र विकास की दिशा में सोचेगा। अफसोस कि अब तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है, जिससे वहां के लोगों, खासकर महिलाओं में अपने बेहतर जीवन और भविष्य को लेकर कोई उम्मीद जगे। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट में बताया गया है कि तालिबान ने सत्ता में आने के बाद कम से कम चौदह लाख लड़कियों को जानबूझ कर माध्यमिक शिक्षा से वंचित कर दिया है। यूनेस्को के मुताबिक, पिछले वर्ष अप्रैल में हुई गणना के बाद इसमें तीन लाख की बढ़ोतरी हुई है। अगर इसमें उन लड़कियों की संख्या भी जोड़ ली जाए, जो प्रतिबंध लागू होने से पहले स्कूल नहीं जा रही थीं, तो अब देश में लगभग पच्चीस लाख यानी अस्सी फीसद लड़कियां शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं।

इस तरह, अफगानिस्तान का समाज एक तरह से अधूरे विकास के दौर से गुजर रहा है, जिसमें वहां की महिलाओं की पढ़ाई-लिखाई को धर्म और परंपरा के खिलाफ माना जाता है। हालांकि 2021 में जब तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हुआ था, तो उसने कठोर इस्लामी शासन से राहत देने का आश्वासन दिया था। मगर अगले ही वर्ष वहां लड़कियों की शिक्षा पर पाबंदी लगा दी गई, महिलाओं को सरकारी नौकरियों में नहीं जाने दिया गया और उनके अकेले लंबी यात्रा करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया।

ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं है कि वहां की महिलाओं का जीवन कैसा होगा। विचित्र है कि एक ओर तालिबानी शासन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पाने की इच्छा रखता है, लेकिन दूसरी ओर वहां की महिलाओं को पढ़ाई-लिखाई तक से वंचित रखना अपनी जिम्मेदारी समझता है। तालिबान अपनी महिलाओं को हर दायरे से बाहर रख कर भले अपनी तथाकथित परंपरा को बचा लेने का दावा करे, लेकिन हकीकत यह है कि इस तरह वहां एक अधूरा समाज बनेगा, जिसमें महिलाओं का जीवन दोयम दर्जे का होगा। कोई भी समाज महिलाओं को हाशिये पर रख कर मानवीय होने का दावा नहीं कर सकता।

सेबी की कहानी का सच लगातार पीछे क्यों जा रहा?

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की कहानी ने व्यापार और आर्थिक जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। शर्लक होम्स ने कहा है, "अगर आप अंधविश्वास, नाटक और अराजकता को हटा दें तो आपके पास सिर्फ तथ्य बचेंगे।" इस कहानी में अंधविश्वास यह है कि सरकार हमेशा लोगों के हित में बोलती और काम करती है। नाटक यह है कि बड़े व्यवसायी छोटे निवेशकों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं और आखिर में हम खून-खराबे से बचना चाहते हैं। अराजकता यह है कि अनेक लोग अनेक तरह से आवाजें उठाते हैं, जो सिर्फ शोर बनकर रह जाती हैं।

मुख्य सवाल यह था कि एक व्यावसायिक समूह में निवेश का स्रोत क्या था? समूह ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया और दावा किया कि पैसा वैध था। संदेह करने वालों ने आरोप लगाया कि पैसा ओवर-इनवॉइसिंग और राउंड-ट्रिपिंग के माध्यम से था और यह अवैध था। सेबी ने मामले की जांच की और कहा कि पहली नजर में कुछ भी गलत नहीं पाया गया, लेकिन संदेहकर्ता इससे संतुष्ट नहीं थे। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए न्यायाधीश सप्रे की निगरानी में पांच सदस्यों की समिति को जांच कर रिपोर्ट देने को कहा।

यहां यह जानना महत्वपूर्ण है कि जस्टिस सप्रे समिति ने क्या पाया और क्या नहीं? समिति ने पाया कि इसमें 13 निवेशक थे, जिनमें से 12 विदेशी पोर्टफोलियो वाले निवेशक (एफपीआई) थे। इससे लाभ प्राप्त करने वाले प्रत्येक एफपीआई मालिक के नाम उजागर किए गए,

लेकिन इस कड़ी के आखिरी निवेशक का नाम नहीं बताया गया, क्यों? क्योंकि इस अंतिम निवेशक का नाम उजागर करने की जरूरत 2018 में खत्म कर दी गई थी। सेबी ने फिर भी अक्तूबर 2020 से 13 विदेशी संस्थाओं के स्वामित्व की जांच की, लेकिन उसका नतीजा कुछ भी नहीं निकला। समिति की टिप्पणी तीखी थी- "इस तरह की जानकारी के बिना सेबी स्वयं के द्वारा किए जा रहे संदेह को संतुष्ट करने में असमर्थ है। प्रतिभूति बाजार नियामक को इस बात की आशंका है कि कुछ गलत हुआ है, लेकिन यह भी पाया गया कि संबंधित नियमों में विभिन्न शर्तों का पालन भी किया गया है। ऐसे में देखा जाए तो यह रिकॉर्ड मुर्गी और अंडे वाली स्थिति को दिखाता है।"

इससे जुड़े सवाल पर कि क्या लाभार्थी मालिक, निवेश करने वाली कंपनियों के 'संबंधित पक्ष' थे, समिति ने पाया कि 'संबंधित पक्ष' और 'संबंधित पक्ष लेन-देन' की शर्तों में नवंबर 2021 में कई तरह के संशोधन किए गए, लेकिन 1 अप्रैल, 2022 से लेकर 1 अप्रैल, 2023 तक संभावित प्रभाव देखने को मिला। कंपनी के इस पहलू पर भी समिति की टिप्पणी तल्ख ही थी- "इस तरह संभावित तरीके से शर्तें बनाने से संबंधित पार्टी से लेन-देन को नियंत्रित करने वाले नियमों में छिपे सिद्धांतों का परीक्षण करने की व्यवहार्यता खत्म हो गई है।"

इस समिति का अंतिम निष्कर्ष था- "ऐसा लगता है कि एफपीआई की स्वामित्व संरचना पर सेबी की विधायी नीति एक दिशा में काम कर रही है, जबकि सेबी का प्रवर्तन दूसरी दिशा में।"

इसके बाद भी सेबी ने 24 मामलों में अपनी जांच जारी रखी। जब समिति की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई तो अदालत ने उसकी दलीलों को सुना और 3 जनवरी, 2024 के एक आदेश द्वारा सेबी की कार्रवाई को बरकरार रखा। कोर्ट ने सेबी को यह निर्देश भी दिया कि तीन महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करे, अब तक सात महीने गुजर चुके हैं।

माधवी बुच को अप्रैल 2017 में सेबी का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया था। अपना कार्यकाल पूरा करने के एक अंतराल बाद 1 मार्च, 2022 को उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जब 2018 और 2021-24 में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए तो माधवी बुच सेबी में निर्णय लेने वाले पद पर थीं। ऐसा लगता है कि उनके और पति के कंपनियों में कुछ आर्थिक हित थे, जिनकी जांच सेबी ने की थी और जस्टिस सप्रे समिति ने उसकी समीक्षा की थी। माधवी बुच ने अपने निवेश को स्वीकार किया, लेकिन उसका स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि ये निवेश तब किए गए थे, जब वह और उनके पति प्राइवेट सिटीजन थे।

जब माधबी पुरी की नियुक्ति सेबी में हुई तो उन्होंने इस निवेश को भुना लिया। इसके तुरंत बाद ही ये कंपनियां निष्क्रिय हो गईं।

प्रभु खुशी और आनंद के महासागर हैं।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प

अठहत्तरवें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ कुछ भावी चुनौतियों पर बात की और यह संदेश देने की कोशिश की कि राष्ट्रीय सामूहिकता की भावना साथ हो तो किसी भी बाधा को आसानी से पार किया जा सकता है। हालांकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषणों में आमतौर पर वे व्यापकता के साथ मुद्दों पर बात करते रहे हैं और इस बार का वक्तव्य भी इसकी कड़ी ही रही। इस बार भी उन्होंने वे तमाम मुद्दे उठाए, जिनसे आम जनता खुद को प्रभावित या जुड़ी हुई महसूस करती है।

मसलन, किसानों, सैनिकों और युवाओं को सलाम करते हुए उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा भी मुखरता के साथ उठाया। साफ लहजे में जिस तरह उन्होंने राज्य सरकारों को यह निर्देश दिया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए, वह केंद्र से लेकर राज्य तक सभी सरकारों की इच्छाशक्ति का मामला होना चाहिए। यह छिपा नहीं है कि सख्त कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई बार अपराधियों के भीतर उसका डर नहीं होता, क्योंकि वे इसे लेकर आश्वस्त रहते हैं कि अगर कभी वे गिरफ्त में आए तो भी बच निकलेंगे। इसलिए अगर प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के दोषियों के मन में डर बिठाना जरूरी है, तो इसका आशय समझा जा सकता है। व्यापक जन जीवन से जुड़ी चिंताओं को रेखांकित करते हुए वे निश्चित रूप से जोखिम के बीच में जीवन गुजारने वाली महिलाओं और

अन्य वर्गों के हित की बात कर रहे थे, मगर इससे आगे उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का अपनी सरकार का संकल्प जाहिर किया।

इसके तहत उन्होंने प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करने में कामयाबी मिलने, निर्यात में बढ़ोतरी, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बीच भारत के लिए भरोसे में मजबूती और युवाओं में बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर मिलने की बात कही। जाहिर है, अगर वास्तव में ये संकल्प जमीन पर उतरे तो देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से मजबूती आने की उम्मीद की जा सकती है। यह छिपा नहीं है कि हर वर्ष भारी संख्या में युवा चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई करने दूसरे देशों में जाते रहे हैं। इसका मुख्य कारण यहां दाखिले के लिए जगहों का अभाव रहा है। अब प्रधानमंत्री ने अगले पांच वर्ष में चिकित्सा क्षेत्र में पचहत्तर हजार नई सीटें सृजित करने की घोषणा की है। अगर यह घोषणा अमल में आती है तो पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले विद्यार्थियों के लिए भारत में कितने अवसर बनेंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने किसानों को नई तकनीक से जोड़ने, प्राकृतिक खेती के लिए बजट बढ़ाने और रक्षा सामग्रियों के निर्माण में देश की धमक बढ़ने को लेकर जो बातें कीं, वे मौजूदा सरकार की दृष्टि को रेखांकित करती हैं।

वहीं उन्होंने पड़ोसी देश बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन और हिंसा में सामुदायिक पहचान के आधार पर निशाना बनाए जाने का सवाल उठाया। साथ ही भेदभाव करने वाले कानूनों की जगह उन्होंने 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' के अलावा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को वक्त की जरूरत बताया। जाहिर है, स्वतंत्रता दिवस पर लोगों को संबोधित करने के मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियां दर्ज करने के साथ-साथ उन्होंने अपनी पार्टी की विचारधारा को भी ज्यादा स्पष्ट करने की कोशिश की है। अब यह देखने की बात होगी कि आने वाले वक्त में वे किन चुनौतियों से जूझने को प्राथमिकता देते हैं।

मरने के बाद जिंदा होने के लिए जम जाएंगे ढेरों अरबपति

क्या आपको लगता है कि कभी दुनिया में ऐसी तकनीक भी आ सकती है कि मरे हुए इंसान के शरीर में जान डाल कर उसे फिर से जिंदा किया जाने लगेगा? अगर हां, तो आप जैसी सोच के लोग दुनिया में बहुत सारे लोग हैं. इनमें खास तौर से बहुत ही अमीर लोग शामिल हैं, जिनमें से कई मर चुके हैं और अपने शरीर को खास व्यवस्था के हवाले कर के मरे हैं. इसमें उनका शरीर तब तक संरक्षित रखा जाएगा, जबतक साइंटिस्ट मरे हुए को फिर से जिंदा करने की तकनीक तैयार ना कर लें. पर ऐसे लोगों ने अब एक और समस्या का

जरा हट के

समाधान खोज निकाला, जब वे फिर से जिंदा होंगे तब उनके पास पैसा कहां से आएगा?

जी हां, फिर से जिंदा होने की ख्वाहिश रखने वाले अरबपतियों का मानना है कि उन्हें जवाब मिल गया है. ऐसे लोगों की सूची में 5,500 से

अधिक लोग शामिल हैं. जिन्होंने मरने के तुरंत बाद बहुत ज्यादा ठंडक में जमने का संकल्प लिया है. इसमें सैकड़ों अमीर ब्रिटिश शामिल हैं जिन्होंने क्रायोनिक्स नाम के मल्टीमिलियन उद्योग की ओर रुख किया है.

क्रायोनिक्स यह एक लाश को तब तक जमाकर रखने की प्रक्रिया है, जब तक कि वैज्ञानिक उसे वापस जीवित करने का कोई तरीका नहीं खोज लेते. अब जब वे भविष्य में, शायद 2084 में, जागेंगे, वे बिना पैसों के ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि अब अपने भाग्य को बनाए रखने के लिए वे 'पुनरुत्थान ट्रस्ट' विशेषज्ञ का उपयोग कर सकते हैं.

आपको यह जानकर हैरानी नहीं होगी कि क्रायोनिक्स में भारी लागत शामिल है और लोग अपने शरीर को फ्रीज करने के लिए कम से कम 155,000 पाउंड यानि एक करोड़ 68 लाख रुपये से भी अधिक खर्च करते हैं. जिंदा होने पर उनके ट्रस्ट के पैसे उन्हें मिल जाएंगे जिससे वे अपना जीवन फिर से जी सकें.

अपने चेहरे के लिए कैसे करें परफेक्ट फेसवॉश का चयन

एक समय था, जब लोग नहाने और चेहरा धोने के लिए एक ही तरह का साबुन इस्तेमाल करते थे। पर, अब आज के समय में लोगों की सोच में काफी बदलाव आया है। उन्हें ये पता लगा है कि नहाने की साबुन से चेहरा नहीं धोया जा सकता।

चेहरा धोने के लिए आपको जेंटल फेसवॉश की आवश्यकता होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि साबुन में कई कठोर तत्व पाए जाते हैं, जो चेहरे की नाजुक त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी की वजह से चेहरे पर फेसवॉश का इस्तेमाल किया जाता है।

आजकल बाजार में कई बड़े ब्रांड के फेसवॉश आने लगे हैं। वैसे तो फेसवॉश आपके चेहरे की गंदगी को साफ करने के लिए सबसे बेस्ट रहता है लेकिन अगर आप गलत फेसवॉश का इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंच सकता है। इसी वजह से आज के लेख में हम आपके फेसवॉश खरीदने का सही तरीका बताने जा रहे हैं।

स्किन टाइप का रखें ध्यान

फेसवॉश खरीदने से पहले अपनी स्किन टाइप का खास ध्यान

रखें। अगर आप अपनी स्किन टाइप का ध्यान रखकर फेसवॉश नहीं खरीदेंगे तो इससे आपकी त्वचा खूबसूरत दिखने की बजाए अजीब दिखने लगेगी।

सामग्री की जांच करें

फेसवॉश खरीदने से पहले ध्यान रखें कि यदि आपकी त्वचा तैलीय है, तो आप सैलिसिलिक एसिड या टी ट्री ऑयल वाले फेसवॉश का उपयोग कर सकते हैं। शुष्क त्वचा के लिए ऐसे फेसवॉश चुनें, जिसमें हाइलूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन, या एलोवेरा जैसे हाइड्रेटिंग तत्व हों।

संवेदनशील त्वचा वाले लोग ऐसे फेसवॉश का इस्तेमाल करें, जिसमें कैमोमाइल या एलोवेरा हो। अगर आपकी त्वचा पर काफी मुंहासे हैं तो ऐसे फेसवॉश का चयन करें जिसमें सैलिसिलिक एसिड या बेंज़ॉयल पेरोक्साइड हो।

ऐसे तत्व न हों

ध्यान रखें कि जो फेसवॉश आप खरीद रहे हैं उसमें सल्फेट्स और पैराबेंस जैसे कठोर रसायन नहीं हों। ये तत्व नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मौसम के हो अनुकूल

आपका फेसवॉश मौसम के हिसाब के होना चाहिए। जैसे कि सर्दियों में अधिक मॉइस्चराइजिंग फेसवॉश का उपयोग करें। वहीं गर्मियों में जेल-बेस्ड या फोमिंग फेसवॉश बेहतर होते हैं।

उम्र का ध्यान रखें

फेसवॉश खरीदते वक्त अपनी उम्र का भी ध्यान रखें। हर उम्र की त्वचा के हिसाब से ही बाजार में फेसवॉश मिलते हैं। कभी भी प्रोडक्ट की ब्रांडिंग और दावों से प्रभावित न हों। उसकी डिटेल के बारे में जानें।

राखी की थाली को सजाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

■ रिबन और गोटे से सजाएं थाली

राखी की थाली को सजाने के लिए आप गोटा-पट्टी, शीशे, गोल्डन लेस, बीड्स, रंगीन रिबन का यूज कर सकते हैं।

■ प्रिंटेड कागज या वेलवेट

राखी की थाली को सजाने के लिए सबसे पहले सिंपल थाली को साफ करके प्रिंटेड कागज या वेल्वेट को पूरी थाली पर चिपका दें। कागज लगाते ही आप देखेंगे कि थाली का पूरा लुक ही बदल गया है।

■ गेंदे के फूल

राखी की थाली को आप सिर्फ गेंदे के फूलों से भी सजा सकते हैं। इस तरह थाली सजाने में ना तो ज्यादा मेहनत लगती है और यह देखने में भी बेहद खूबसूरत लगती है।

■ नेलपेंट्स से सजाएं पूजा की थाली

पूजा की थाली को आप अलग-अलग रंग-बिरंगे नेलपेंट्स से भी आर्ट वर्क करके सजा सकती हैं।

■ आर्गेनिक डेकोरेशन

पूजा की थाली को आर्गेनिक तरीके से सजाने के लिए चावलों को खी तरह के रंगों से रंग कर थाली पर चिपका कर खूबसूरत डिजाइन बनाएं।

■ केले के पत्ते

रक्षा बंधन के दिन पूजा की थाली पर गंगा जल छिड़क कर केले के पत्ते को थाली के आकार में गोल काट कर उसे बिछा कर भी पूजा थाली तैयार की जा सकती है। इस थाली में कुमकुम या रोली रखें। इसी कुमकुम से बहनें भाई का तिलक करती हैं।

बादाम और नारियल की बर्फी

त्योहार है तो घर में मीठा आएगा ही, लेकिन बाजार वाली मिठाई में वो प्रेम कहां दिखता है। अगर अपने भाई का मुंह रक्षाबंधन पर मीठा करना है तो अपने हाथों से मिठाई तैयार करें। बादाम और नारियल से बनने वाली ये आसान सी बर्फी ना केवल स्वाद में लाजवाब लगती है। बल्कि बनाने में भी बहुत सारा समय और मेहनत नहीं लगती।

सामग्री :

- 250 ग्राम बादाम
- 2 फ्रेश नारियल
- एक गिलास दूध
- 400 ग्राम चीनी
- देसी घी
- इलायची पाउडर एक चम्मच
- आधा कटोरी पानी

विधि :

सबसे पहले नारियल को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इसे मिक्सी के जार में पीस लें।

दूध को उबालकर किनारे रख लें।

किसी भगोने में पानी और चीनी मिलाकर चाशनी बना लें। साथ ही इलायची पाउडर डाल दें।

अब बादाम को पीसकर पाउडर बना लें।

कड़ाही में देसी घी डालकर गर्म करें और उसमे बादाम का पाउडर डालें। आप चाहें तो साथ में पिस्ता और काजू का भी पाउडर मिला सकते हैं।

साथ में पिसा हुआ नारियल भी डाल दें। धीमे फ्लेम पर सारी चीजों को भूनें। साथ ही गरम दूध भी डाल दें।

तब तक भूनें जब तक कि दूध गाढ़ा होकर सारी चीजों में मिक्स होकर सूख ना जाए।

जब ये दूध सूख जाए तो तैयार चाशनी को डालकर पकाएं और गाढ़ा करें। जब ये पककर बिल्कुल इकट्ठा होने लगे तो गैस की फ्लेम बंद कर दें।

किसी थाली और ट्रे में घी लगाकर ग्रीस कर लें और तैयार मिक्सचर को एक बराबर फैला दें। बस चौकोर या डायमंड शेप में काट दें और तैयार है टेस्टी बादाम-नारियल की बर्फी।

खाने के लिए कौन सा तेल फायदेमंद और कौन सा नुकसानदायक?

खाने के लिए स्वस्थ तेल का चयन जरूरी है, क्योंकि ये आपको कई प्रकार की बीमारियों से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकता है।

जब खाना पकाने के तेल को गर्म किया जाता है, तो एक समय पर वे स्मोक पॉइंट पर पहुंच जाते हैं। ये वह तापमान है जिस पर तेल का ब्रेक डाउन होने लग जाता है। इस स्थिति में इसका ऑक्सीकरण शुरू हो जाता है और फ्री रेडिकल्स रिलीज होते हैं। इसके कारण सेलुलर डैमेज होने और कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा हो सकता है। इसके अलावा, स्मोक पॉइंट पर पहुंचने पर तेल एक्रोलिन नामक पदार्थ छोड़ते हैं। एक्रोलिन आपके फेफड़ों के लिए खतरनाक हो सकता है।

■ कौन सा तेल सेहत के लिए फायदेमंद?

कई अध्ययनों में पाया गया है कि खाने के लिए ऑलिव ऑयल को प्रयोग में लाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

ऑलिव ऑयल विटामिन-ई से भरपूर होता है, जो एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है और कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाने में सहायक है। इसमें मोनोअनसैचुरेटेड फैट भी पाया जाता है जिसे ओलिक एसिड कहा जाता है। अध्ययनों से पता चला है कि ओलिक एसिड में एंटी-कैंसर और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं।

अध्ययनों से पता चला है कि एवोकाडो ऑयल भी सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है। इसमें मौजूद यौगिक मेटाबॉलिज्म संबंधी बीमारियों को रोकने और लिवर डैमेज के खतरे को कम करने में फायदेमंद है।

■ इन तेलों से बना लें दूरी

कुछ प्रकार के तेलों को सेहत के लिए नुकसानदायक प्रभावों वाला पाया गया है। अत्यधिक रिफाइन ऑयल को तैयार करने की प्रक्रिया उनके एंटीऑक्सीडेंट और अन्य लाभकारी प्रभावों को कम कर देती है। इस वजह से रिफाइन ऑयल्स का सेवन कम करने की सलाह दी जाती है।

इसके अलावा उन तेलों से भी बचना चाहिए जिनका स्मोकिंग प्वाइंट काफी कम होता है जैसे फ्लैक्स सीड ऑयल। इन्हें गर्म करने से फ्री रेडिकल्स रिलीज होने का जोखिम अधिक हो सकता है।

■ इस तरह की गलती से बचें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, तेलों के इस्तेमाल को लेकर इस बात का भी ध्यान रखें कि एक ही तेल का बार-बार इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इस्तेमाल किए गए बचे तेल में ट्रांस फैट का अनुपात बढ़ जाता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। तेल को दोबारा गर्म करने पर शरीर में एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) का स्तर बढ़ने का खतरा रहता है जिससे स्ट्रोक या सीने में दर्द होने का जोखिम हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शेयर मार्केट इत्यादि से लाभ होगा।

वृषभ : शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन : धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह : संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें।

धनु : कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

कुंभ : सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें।

मीन : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

व्यापारी ने बीच चौराहे पर खुद को गोली से उड़ाया

लखनऊ. लखनऊ में रविवार दोपहर एक मौरंग व्यापारी ने बीच चौराहे पर आत्महत्या कर ली। व्यापारी ने दिन दहाड़े खुद को गोली से उड़ा लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यापारी को घायल हालत में इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गोमतीनगर के अवधपुरी इलाके की है। जानकारी के अनुसार बिहार निवासी मौरंग व्यापारी सतीश सोनी (39) ने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी बिहार में रहती है। वहीं, दूसरी पत्नी गोमतीनगर के अवधपुरी की रहने वाली है। शनिवार को सतीश दूसरी पत्नी से मिलने के लिए घर आए थे। जहां उनका पत्नी से विवाद हुआ। झगड़े के बाद सतीश घर से बाहर निकल आए। अवधपुरी चौराहे के पास पहुंच कर व्यापारी ने खुद को गोली मार ली। खून से लथपथ सतीश को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हुई। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि सतीश की पत्नी से पूछताछ की जा रही है।

मकान पर कब्जा करना चाहते थे किराएदार, मालिक को उतारा मौत के घाट

लखनऊ. लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां 14 साल से किराए पर रह रहे दो भाइयों ने मकान पर कब्जे की नियत से अपने मकान मालिक को मौत के घाट उतार दिया। दोनों भाइयों ने पहले मकान मालिक को धक्का दिया इसके बाद उसका गला दबाकर मार डाला। दोनों ने शव को ठिकाने लगाने के लिए रेनकोट का सहारा लिया। फिर शव को नहर में फेंक दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखकर हत्या का खुलासा कर दिया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

योगी सरकार के मंत्री के ड्राइवर ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में की आत्महत्या, लटका मिला शव

बरेली. बरेली में सिविल लाइंस स्थित पीडब्ल्यूडी के गेस्ट हाउस में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के 25 वर्षीय ड्राइवर राजवीर सिंह उर्फ कुंदन ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसका शव फंदे पर लटक रहा था। अंदर से कमरा बंद था। कान में हेडफोन लगा था। पुलिस ने बताया, मृतक ड्राइवर राजवीर उर्फ कुंदन सिंह बाराबंकी के हैदरगंज के गांव किरसिया का रहने वाला था। वह उत्तर प्रदेश सरकार में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह का कार ड्राइवर था। लखनऊ के अलीगंज से ट्रैवल एजेंसी के संचालक आनंद शुक्ला ने उसे कार दी थी। शुक्रवार को राजवीर सिंह बरेली आया था। यहां पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में रुका। शनिवार रात में उसने किसी बात से क्षुब्ध होकर सुसाइड कर लिया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़कर शव को निकाला गया।

एनकाउंटर में सहायक अभियंता समेत दो गिरफ्तार

सुलतानपुर. सुलतानपुर जिले में अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण संतोष कुमार की हत्या में सहायक अभियंता अमित कुमार और सहयोगी प्रदीप को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार रात करीब दो बजे हुई मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैर में गोली लगी है। कोतवाली नगर पुलिस ने बताया है कि दोनों मधुबनी बिहार के रहने वाले हैं। बलिया के रतसड कला के मूल निवासी जल निगम ग्रामीण अधिशासी अभियंता संतोष कुमार की कोतवाली नगर के बिनोवापूरी स्थिति किराए के मकान मे शनिवार को सुबह पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। कमरे में शव हाथ- पैर बंधा और मुंह पर टेप लगा हुआ पाया गया था।

नए भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी शुरू

- 10 करोड़ सदस्यों को जोड़ेगी सत्ताधारी पार्टी

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सदस्यता अभियान के तहत कम से कम 10 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। यह अभियान 1 सितंबर से चुनावी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर सभी राज्यों में शुरू होने वाला है। शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय और राज्य पदाधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सदस्यता अभियान के तहत नए पार्टी प्रमुख के चुनाव की भी तैयारी की जा रही है। बैठक में पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे चुनावी राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों के अध्यक्ष और पदाधिकारी और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बताया कि इस सदस्यता प्रक्रिया की देखरेख राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े करेंगे।

सांसद और पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि सदस्यता अभियान 1 सितंबर से 10 नवंबर तक कई चरणों में चलाया जाएगा और इसमें लोग मिस्ड कॉल, पार्टी की वेबसाइट और अन्य डिजिटल

प्लेटफॉर्म के जरिए सदस्यता ले सकेंगे। यह अभियान चुनाव वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव के बाद चलाया जाएगा और कुल संख्या में और वृद्धि होने की उम्मीद है। पात्रा ने कहा कि 2014 में करीब 11 करोड़ लोगों ने पार्टी के सदस्य के रूप में पंजीकरण कराया और 2019 में करीब 7 करोड़ लोगों ने कुछ समय के लिए खोले गए सदस्यता अभियान के दौरान पंजीकरण कराया था।

उन्होंने कहा, ₹2014 से 2019 के बीच लगभग 18 करोड़ सदस्यों ने सदस्यता ली। सदस्यता अभियान शुरू होना था, लेकिन महामारी के कारण हम आगे नहीं बढ़ सके।₹ भाजपा 18 करोड़ सदस्यों के साथ विश्व में सबसे बड़ी राजनीतिक इकाई होने का दावा करती है। इसकी स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। वर्तमान में यह अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सहयोगियों के समर्थन से लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्ता में है।

पात्रा ने कहा, ₹अमित शाह ने उपस्थित लोगों से कहा कि भाजपा अन्य पार्टियों से अलग देश के विकास के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि जिस दिन से इसकी स्थापना हुई है, पार्टी कार्यकर्ताओं ने राजनीतिक सुख के पीछे नहीं भागा, बल्कि संघर्ष का रास्ता अपनाया है... हम संघर्ष करते रहेंगे और देश के लिए अथक काम करेंगे।₹ मीडिया को संबोधित करते हुए पात्रा ने कहा कि संख्या में वृद्धि के बावजूद पार्टी संगठनात्मक चुनाव और सदस्यता अभियान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करना जारी रखे है।

उन्होंने कहा कि ये इसे 1,500 अन्य पार्टियों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, ₹...हम एक जीवंत पार्टी हैं। हम अपने नवीनीकरण के लिए काम करते हैं।₹

गुलाम नबी आजाद को फिर साथ लाना चाहती है कांग्रेस

- जम्मू-कश्मीर चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस-PDP से गठबंधन की कोशिश
- कहा- भाजपा को हराना मकसद

जम्मू. जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही कांग्रेस राज्य में एक्टिव हो गई है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि गांधी परिवार चाहता है कि पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद की पार्टी में वापसी हो। इसके लिए सीनियर नेताओं को उनसे बात करने के लिए कहा गया है।

हालांकि, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (DPAP) के प्रवक्ता ने सलमान निजामी ने कहा- पिछले 2 हफ्ते से आजाद की कांग्रेस जॉइन करने की गलत खबरें चल रही है। न उन्होंने गांधी परिवार को और न ही गांधी परिवार ने उनको कॉनटेक्ट किया है। ये कोशिशें पार्टी को तोड़ने के लिए हो रही है।

इधर, पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) और PDP से गठबंधन बनाने की कोशिश में है। पार्टी ने कहा- गठबंधन बनाने का उद्देश्य भाजपा को हराना है। इसके लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों को साथ आना होगा।

एक खबर के मुताबिक, कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने कहा कि NC और PDP के लिए राज्य का मुद्दा व्यक्तिगत मुद्दों से ऊपर होना चाहिए। I.N.D.I.A अलायंस नेशनल लेवल पर बना है। जम्मू-कश्मीर में भी तीनों पार्टियों को मिलकर चुनाव लड़ने की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर में गुपकार गठबंधन के तहत नेशनल कॉन्फ्रेंस और PDP एक साथ आई थीं, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए थे। PDP ने भाजपा के साथ गठबंधन करके जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाई थी।

कोलकाता के अस्पताल में ड्रग रैकेट का खुलासा करने वाली थी पीड़िता?

- सहकर्मियों के चौंकाने वाले दावे

कोलकाता. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर का मामला गरमाया हुआ है। इस घटना के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टर की हड़ताल रविवार को भी जारी रही, जिससे राज्य में लगातार 10वें दिन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। मालूम हो कि लेडी डॉक्टर का शव 9 अगस्त को अस्पताल के सेमिनार हॉल के अंदर पाया गया था। इस मामले में अगले ही दिन एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पूरे मामले की जल्द से जल्द गहन जांच हो और दोषियों को कड़ी सजा मिले। इस बीच, पीड़िता के सहकर्मियों ने घटना को लेकर कुछ चौंकाने वाले दावे किए हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एक कलीग ने बताया कि इस सरकारी अस्पताल में पनिशमेंट पोस्टिंग और लंबी शिफ्ट आम बात हो गई थी। यह भी दावा किया कि पीड़िता को शायद 'मेडिसिन रैकेट' के बारे में जानकारी मिल गई थी, जिसका वह पर्दाफाश करना चाहती थी। ऐसा हो सकता है कि इसीलिए उसकी आवाज दबाने की खातिर हत्या कर दी गई हो। एक सहकर्मी ने कहा, 'हमें संदेह है कि यह बलात्कार और हत्या का साधारण मामला नहीं है।

'पीड़िता उस चीज के बारे में जानती थी जिसे...'

रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य सहकर्मी का दावा है कि पीड़िता उस चीज के बारे में बहुत कुछ जानती होगी जिसे शायद उसे नहीं जानना चाहिए था? ऐसी आशंका है कि उसके विभाग में ड्रग साइफोनिंग रैकेट चल रहा हो जिसे वह उजागर करना चाहती थी। ट्रेनी डॉक्टर की मौत के बाद उसके पेरेंट्स ने भी कुछ ऐसी आशंकाएं जताई हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उसने काम के भारी दबाव को लेकर शिकायत की थी। कई सहकर्मियों ने कहा कि सजा के तौर पर अधिक समय तक काम कराना इस संस्थान की **SOP** बन गई थी। खुद पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की ओर से इसकी सख्ती से निगरानी की जाती थी। बता दें कि सीबीआई अधिकारी संदीप घोष की कॉल डिटेल और चैट की जानकारियां जुटा रहे हैं। एक ऑफिसर ने बताया कि रविवार को लगातार तीसरे दिन सीबीआई अधिकारियों के समक्ष घोष पेश हुए। उन्हें अस्पताल में घटना से पहले और उसके बाद किए फोन कॉल की जानकारियां देने को कहा गया है।

नौकरियां देने में G20 देशों से काफी पीछे भारत

- गीता गोपीनाथ ने बताया क्या करे सरकार

नई दिल्ली. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत रोजगार सृजन के मामले में जी-20 देशों में पिछड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए देश को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हीरक जयंती कार्यक्रम में कहा कि 2010 से शुरू होने वाले दशक में भारत की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार दर दो प्रतिशत से कम रही। गोपीनाथ ने कहा कि इसलिए भारत की रोजगार दर, अन्य जी-20 देशों की तुलना में काफी कम है।

उन्होंने कहा, "यदि आप जनसंख्या वृद्धि के लिहाज से भारत के अनुमानों को देखें, तो भारत को अब से लेकर 2030 तक कुल मिलाकर छह करोड़ से 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करनी होंगी... हम पहले से ही 2024 में हैं, इसलिए हमें कम समय में बहुत सारी नौकरियां पैदा करनी होंगी।"

इसके लिए भूमि सुधार और श्रम संहिताओं को लागू करने सहित बुनियादी सुधारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अधिक नौकरियां पैदा करने के लिए निजी निवेश में वृद्धि की जरूरत है, क्योंकि यह सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत वृद्धि के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निवेश अच्छा चल रहा है, लेकिन निजी निवेश में सुधार करना होगा। गोपीनाथ ने यह भी कहा कि भारत को अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करना चाहिए, ताकि वह अपने कार्यबल का कौशल विकास कर सके।

जम्मू में अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा

- कश्मीर में निर्दलियों से गठबंधन संभव
- 21 अगस्त को कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी होगी

जम्मू. जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की रविवार (18 अगस्त) को जम्मू में बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर भाजपा विधानसभा चुनाव प्रभारी किशन रेड्डी, नेशनल जनरल सेक्रेटरी तरुण चुघ और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी बैठक में शामिल हुए।

जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि पार्टी जम्मू

में अकेले चुनाव लड़ेगी। कश्मीर में निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन कर सकती है। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 21 अगस्त को कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी करेगी। पार्टी अगले हफ्ते से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर सकती है। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चुनावी रैली करेंगे।

J&K अपनी पार्टी नेता जुल्फकार अली भाजपा शामिल हुए

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री चौधरी जुल्फकार अली भाजपा में शामिल हो गए हैं। इससे पहले शनिवार को चौधरी जुल्फकार अली ने गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी। पेशे से वकील रहे जुल्फकार ने 2008 और 2014 के विधानसभा चुनावों में PDP के टिकट पर राजौरी जिले की दरहाल विधानसभा से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। 2015 से 2018 तक वे महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली PDP-BJP गठबंधन सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे थे।

हरियाणा सरकारी भर्ती में महिलाओं की छाती नहीं नापी जाएगी

- सरकार ने लगाई रोक
- 74 सेमी सामान्य, फुलाने पर 79 सेमी था नियम

चंडीगढ़. हरियाणा में सरकारी भर्तियों में महिलाओं के सीने की माप को लेकर सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। नियमों में बदलाव करते हुए सरकार ने फैसला किया है कि अब वन विभाग में रेंजर, डिप्टी रेंजर व अन्य पदों के लिए महिलाओं के फिजिकल टेस्ट (PMT) में सीने की माप नहीं होगी। सरकार ने यह शर्त हटा दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के कार्यकाल में जुलाई 2023 में हरियाणा कर्मचारी चयन

आयोग (HSSC) ने वन विभाग में भर्ती के लिए नया नियम जोड़ा था, जिसके तहत महिला अभ्यर्थियों के सीने का 'सामान्य' आकार 74 सेमी या फुलाए जाने पर 79 सेमी होना चाहिए।

वहीं, पुरुषों के लिए सीना बिना फुलाए 79 सेमी और फुलाए जाने के बाद 84 सेमी होना चाहिए। इसे लेकर हरियाणा में विपक्षी दलों ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए थे। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने भी सरकार से नियमों में बदलाव की मांग की थी।

सरकार ने इसलिए लिया फैसला...

सरकार ने वन विभाग की नियम संशोधन बैठक में हरियाणा राज्य वन कार्यकारी शाखा ग्रुप-सी सेवा (संशोधन) नियम, 2021 में संशोधन को मंजूरी दी थी। इसके बाद शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस फैसले को मंजूरी दी गई। हरियाणा वन्यजीव संरक्षण विभाग, राज्य सेवा लिपिक, कार्यकारी और विविध ग्रुप-सी संशोधन नियम, 1998 सेवा में महिलाओं के शारीरिक मानकों में संशोधन किया गया। इन नियमों में संशोधन के कारण विभागीय नियमों में असमानता आ रही थी। इसलिए महिलाओं की भर्ती के लिए विभागीय नियमों में एक समान मापदंड बनाए रखने के लिए नियमों में संशोधन किया गया है। अब किए गए संशोधन के अनुसार शारीरिक मानक श्रेणी के तहत महिलाओं के मामले में 74 और 79 सेंटीमीटर को नियमों से हटा दिया गया है।

साबरमती एक्सप्रेस हादसे में आतंकी साजिश

- रेलवे ने कहा- ट्रैक पर रखा गया पटरी का टुकड़ा, टकराकर ट्रेन उतरी; FIR
- ऐसे में आखिर रात के 2.35 बजे पटरी का टुकड़ा टैक पर कैसे पहुंच गया।

कानपुर. कानपुर में साबरमती एक्सप्रेस (19168) हादसे में आतंकी साजिश एंगल पर जांच शुरू हो गई है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) के बाद अब एंट्री टेररिस्ट स्कवॉयड (ATS) की टीम भी कानपुर पहुंच गई है। रेलवे ने पनकी थाने में हादसे की FIR दर्ज कराई है। इसमें हादसे के पीछे साजिश की आशंका जताई है।

FIR में रेलवे ने कहा- रेलवे ट्रैक पर पटरी का टुकड़ा रखा गया था। इसकी टक्कर के बाद ट्रेन पटरी से उतरी। रेलवे अफसरों का कहना है कि साजिश का शक इसलिए भी है कि साबरमती एक्सप्रेस से 1 घंटा 20 मिनट पहले इसी ट्रैक से पटना एक्सप्रेस गुजरी थी, तब लाइन क्लीयर थी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हादसे के बाद कहा था- ट्रेन का इंजन पटरी पर रखी किसी भारी चीज से टकराया। इंजन पर टकराने के निशान हैं। सबूत सुरक्षित रखे गए हैं। वहीं, नॉर्दर्न-सेंट्रल रेलवे के GM उपेंद्र चंद्र जोशी ने भी कहा था कि यह तय है कि हादसा इंजन के किसी चीज से टकराने से हुआ।

बस के अंदर किशोरी से गैंगरेप

- 4 दिन बाद FIR; 3 बस ड्राइवर
- एक कंडक्टर और एक कैशियर गिरफ्तार

देहरादून. देहरादून ISBT पर बस के अंदर एक किशोरी से गैंगरेप में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें तीन बस ड्राइवर, एक कंडक्टर और एक कैशियर शामिल थे।

घटना 13 अगस्त रात 2 बजे की बताई जा रही है। पुलिस ने ISBT पर कार्यरत एक कर्मचारी से शनिवार देर रात तक पूछताछ भी की है। पुलिस के मुताबिक पंजाब

की रहने वाली एक किशोरी मुरादाबाद रोडवेज बस से देहरादून ISBT पहुंची। बस खाली होने के बाद करीब पांच लोगों ने उसके साथ गैंगरेप किया। बाद में किशोरी को बस से उतार कर चले गए।

चाइल्ड वेलफेयर टीम को मिली मामले की जानकारी

चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की हेल्पलाइन टीम को 13 अगस्त को किशोरी ISBT पर बदहवास हालत में मिली है। इसके बाद टीम उसे ISBT परिसर में बने चाइल्ड हेल्पलाइन बूथ पर ले गई। चाइल्ड वेलफेयर टीम ने किशोरी से पूछताछ की है, लेकिन वह रोती रही। उसने बताया कि उसके साथ गलत काम हुआ है। मामले की गंभीरता देख चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम किशोरी को बालिका निकेतन ले गई और उसकी काउंसिलिंग कराई गई। चार दिन किशोरी की सीडब्ल्यूसी में काउंसिलिंग चलती रही। शनिवार रात चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने ISBT चौकी पहुंचकर घटना की जानकारी दी। SSP अजय सिंह के निर्देश पर पटेल नगर थाने में 5 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

2030 यूथ ओलिंपिक में जुड़ सकता है क्रिकेट

- ICC के GM बोले- क्रिकेट को जगह मिलनी चाहिए
- भारत मेजबानी के लिए तैयार

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में शामिल होने के बाद क्रिकेट 2030 के यूथ ओलिंपिक गेम्स में भी शामिल हो सकता है। क्रिकेट को यूथ गेम्स का हिस्सा बनाने के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के साथ मिलकर काम करने के संकेत दिए हैं। हाल ही में भारत ने यूथ ओलिंपिक गेम्स-2030 की मेजबानी पर रूचि जाहिर की थी। ऐसे में ICC की पहल के बाद क्रिकेट के यूथ गेम्स में शामिल होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

ICC के डेवलपमेंट GM विलियम ग्लेनराइट ने विवेक गोपालन को भेजे गए एक ईमेल के जवाब में लिखा, 'यह एक अच्छा विचार है और हम इस पर विचार कर सकते हैं।' गोपालन के ईमेल और ग्लेनराइट के जवाब की कापी ICC के CEO ज्योफ एलार्डिस, वसीम खान, क्लेयर फरलोंग और क्रिस

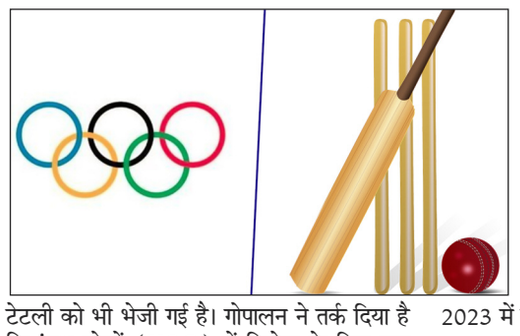

टेटली को भी भेजी गई है। गोपालन ने तर्क दिया है कि 'यूथ खेलों (YOG) में क्रिकेट के लिए एक मजबूत दावेदारी है, क्योंकि मुंबई 2030 यूथ ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी के लिए बोली लगा रहा है।'

- 10 महीने पहले 2028 ओलिंपिक में मिली जगह

10 महीने पहले क्रिकेट को लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 में क्रिकेट भी शामिल किया गया था। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (IOC) अध्यक्ष थॉमस बाक ने मुंबई में एक बैठक में इस पर अंतिम फैसला लिया था। इससे पहले क्रिकेट 1900 के पेरिस ओलिंपिक में खेला गया था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने गोल्ड मेडल के लिए सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला था, जिसमें ग्रेट ब्रिटेन की टीम 158 रन से जीत गई थी। क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली।

- ...तो भारत के गोल्ड जीतने की उम्मीदें मजबूत

यदि क्रिकेट यूथ ओलिंपिक गेम्स में शामिल हो जाता है, तो भारत के गोल्ड जीतने की उम्मीदें बढ़ जाएंगीं, क्योंकि पहले साल भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने एशियन गेम्स 2023 के दोनों गोल्ड मेडल जीते थे। भारतीय मेंस और विमेंस टीमों ने पहली बार एशियन गेम्स के क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

अमित शाह बोले- कांग्रेसी सरकारों ने शरणार्थियों को नागरिकता नहीं दी

अहमदाबाद. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) सिर्फ देश के लाखों लोगों को शरण देने का ही कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देश में बस रहे शरणार्थियों को न्याय देने का नाम है। पहले की कांग्रेस सरकारों की तुष्टिकरण की नीति के चलते 1947 से 2014 तक जो लोग देश की भारत की शरण में आए, उनको कभी न्याय नहीं मिल सका।

शाह ने ये भी कहा कि ये लोग पड़ोसी देश में भी प्रताड़ित हुए और यहां भी प्रताड़ित होते रहे। लाखों-करोड़ों लोग अपने देश में ही तीन पीढ़ियों तक न्याय के लिए तरसते रहे। इंडी अलायंस की तुष्टिकरण की नीति ने इनको इंसाफ नहीं दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार ने इन्हें न्याय दिया।

CAA में मुस्लिमों की नागरिकता छीनने का प्रावधान नहीं- शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने मुस्लिमों को भी आश्वासन दिया कि CAA में किसी की भी नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है, क्योंकि यह नागरिकता देने के बारे में है। पिछली सरकारों ने करोड़ों घुसपैठियों को देश में घुसने की अनुमति दी और उन्हें

गैरकानूनी तरीके से नागरिक बनाया।

अमित शाह दो दिन के दौरे पर रविवार (18 अगस्त को) अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने शहर में 1003 करोड़ के विकास कार्यों की शुरुआत की। इसके बाद कार्यक्रम स्थल के बाहर सफाईकर्मियों और स्कूली बच्चों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने CAA के तहत नागरिकता पाने वाले लोगों से भी चर्चा की।

शाह ने कहा- मैं आज CAA के बारे में बताना चाहता हूं कि यह देश में लागू क्यों हुआ। दरअसल, किसी भी देश का विभाजन धर्म के आधार पर नहीं होना चाहिए। भारत का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया।जब भारत का विभाजन धर्म के आधार पर किया तो भयानक दंगे हुए। ये स्वाभाविक था। भारत के करोड़ो लोग ये भूल नहीं सकते कि पड़ोसी देशों में रहने वाले हिंदू, जैन, सिखों को कितनी वेदना झेलनी पड़ी। परिवार के परिवार उजड़ गए।

संक्षेप...

गोमांस ले जाने के आरोप में 2 गिरफ्तार

भिवंडी. पुलिस ने भिवंडी ठाणे बाईपास रोड पर गोमांस ले जा रही एक लक्जरी कार जब्त की है. पुलिस ने अनवर उमर खान, इब्राहिम अनवर खान को गिरफ्तार किया है.पुलिस ने उनके पास से 100 किलो गोमांस जब्त किया है. पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, गोमांस ले जाने की सूचना पुलिस को मिली थी.पुलिस को हाइवे पर हाईवे दिवे गांव की सीमा में मोदी हुंडई गोदाम के सामने गाड़ी आई तो पुलिस ने कार रोककर जांच की तो गाड़ी में 100 किलो गोमांस मिला.

महाराष्ट्र के ताजा सर्वे में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव के बाद करवाए जा सकते हैं। चुनाव आयोग ने पिछले दिनों ही हरियाणा व जम्मू कश्मीर में चुनावों की घोषणा की है, जबकि महाराष्ट्र में त्योहारों की वजह से चुनाव अभी नहीं हो रहे हैं। महाराष्ट्र में इस बार महायुति जिसमें बीजेपी, शिवसेना (एकनाथ शिंदे), एनसीपी (अजित पवार) और महाविकास अघाड़ी (MVA), जिसमें कांग्रेस, शरद पवार वाली एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं के बीच मुकाबला है। महाराष्ट्र से जुड़ा एक ताजा सर्वे सामने आया है, जिसमें बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनती दिख रही है। टाइम्स नाऊ और मैटराइज सर्वे के अनुसार, महाराष्ट्र में बीजेपी को सबसे ज्यादा 25.8 फीसदी वोट मिलने की संभावना है, जबकि कांग्रेस को 18.6 फीसदी वोट मिल सकते हैं। इसके अलावा, शिंदे की शिवसेना को 14.2 फीसदी, एनसीपी अजित पवार गुट को 5.2 फीसदी वोट मिलने की उम्मीद है। वहीं, उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 17.6 फीसदी, शरद पवार वाली एनसीपी को 6.2 फीसदी वोट मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, 12.4 फीसदी वोट अन्य के खाते में जा सकते हैं।

सर्वे में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन रही है। कुल 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में बीजेपी को सबसे ज्यादा 95-105 सीटें मिल सकती हैं। शिवसेना (शिंदे) को 19-24 सीटें, एनसीपी (अजित पवार) को 7-12 सीटें मिलने की संभावना है। इसके अलावा एमवीए में कांग्रेस को 42-47, शिवसेना (यूबीटी) को 26-31, शरद पवार की एनसीपी को 23-28 सीटें मिलने की उम्मीद जताई गई है। अन्य को 11-16 सीटें मिल सकती हैं। महाराष्ट्र में बहुमत का आंकड़ा 145 सीटों का है। महायुति को सर्वे में मिलीं सर्वाधिक सीटों को भी जोड़ दिया जाए तो भी 141 सीटें ही मिलने की संभावना है, यानी कि बहुमत से दूर रह सकती है। वहीं, एमवीए को सर्वे में सबसे ज्यादा 122 सीटें मिलने की उम्मीद है।

पिछले विधानसभा चुनाव के क्या थे नतीजे?

महाराष्ट्र में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान शिवसेना और बीजेपी साथ थे। उस समय शिवसेना और एनसीपी में कोई टूट भी नहीं हुई थी। तब बीजेपी को 105 सीटें मिली थीं, जबकि शिवसेना को 56। इसके अलावा, एनसीपी को 53 और कांग्रेस को 44 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। वहीं, एआईएमआईएम को दो सीटें और राज ठाकरे की एमएनएस को एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। हालांकि, चुनावी नतीजों के ऐलान के बाद मुख्यमंत्री पद पर हुए विवाद को लेकर शिवसेना ने बीजेपी का दामन छोड़कर कांग्रेस, एनसीपी के साथ सरकार बनाई और फिर उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने।

हालांकि, लगभग ढाई साल बाद शिवसेना में टूट हो गई और बीजेपी की मदद से एकनाथ शिंदे राज्य के नए मुख्यमंत्री बन गए थे।

अवैध बैनर,पोस्टर से मनपा को लग रहा लाखों का चूना

- आयुक्त की सख्ती के बाद भी परवाना विभाग बेपरवाह

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. अवैध बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स हटाने को लेकर प्रशासक, आयुक्त अजय वैद्य के कड़क आदेश का भी परवाना विभाग खुलेआम धज्जियां उड़ा रहा है.शहर की सड़कों के मध्य पोल सहित चौराहों, सार्वजनिक स्थलों पर बगैर मंजूरी लगाए गए बैनर, पोस्टर से मनपा तिजोरी को प्रतिमाह लाखों का चूना लग रहा है.लोगों का आरोप है कि, बैनर,पोस्टर की मंजूरी देने वाले परवाना विभाग के अधिकारी आर्थिक फायदे की खातिर जान बूझकर भी सदैव चुप्पी साधे रहते हैं. अवैध बैनर,पोस्टर से घटित हो रहे सड़क हादसों के बाद भी परवाना विभाग आंखे मूंदे हुए है.शहर के जागरूक नागरिकों ने मनपा प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य से मनपा आय को नुकसान पहुंचाने में लिप्त एवम शहर को बिद्रूप करने में सहभागी होने वाले परवाना विभाग के अधिकारियों पर कड़क एक्शन लेने की मांग की है.

गौरतलब हो कि,मुंबई हाई कोर्ट द्वारा मनपा की बगैर मंजूरी अवैध रूप से बैनर, पोस्टर,होर्डिंग्स लगाए जाने की पूर्णतया मनाही है.भिवंडी में हाईकोर्ट सहित मनपा प्रशासक,अजय वैद्य के आदेश की भी परवाना विभाग के भ्रष्ट अधिकारी खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं.शहर की सभी सड़कों, बिजली खंभों,सड़क किनारे लगे पोल सहित फ्लाईओवर के पिलर,दीवाल अथवा पोल गाड़कर मनपा से बगैर मंजूरी शुल्क भुगतान के ही हजारों की संख्या में राजनैतिक दलों, संभावित राजनैतिक प्रत्याशियों, जन्मदिन,शोक संदेश, स्कूल एडमिशन, कोचिंग क्लासेस सहित तमाम प्रचार के बैनर, पोस्टर,होर्डिंग लगाए गए हैं.शहर स्थित जकात नाका, कल्याण नाका, धामणकर नाका, मंडई, शिवाजी चौक, वंजार पट्टी नाका, एस टी स्टैंड, अंजूरफाटा, कामतघर, पद्मानगर, मानसरोवर, शांतिनगर, नागांव, चाबिंद्रा, भादवड नाका, साईं बाबा मंदिर, वराला देवी चौक, भिवंडी कल्याण मार्ग पर जगह जगह बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स लगे हुए हैं. शहर में सर्वाधिक बैनर, पोस्टर प्रभाग समिति क्रमांक 2, 3, 4, 5 की सीमा क्षेत्र में लगे हुए हैं. मनपा परवाना विभाग की लापरवाही से बगैर मंजूरी शुल्क भुगतान किए लोगों द्वारा अवैध तरीके से बैनर, पोस्टर,होर्डिंग्स लगाए जाने से मनपा राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है.मनपा की खाली तिजोरी का रोना रोने वाले अधिकारी अपनी जेबें भरकर अवैध बैनर,पोस्टर लगाए जाने में मदद कर रहे हैं. परवाना विभाग के अधिकारियों के भ्रष्ट कार्यप्रणाली से मनपा को प्रतिमाह लाखों रुपए नुकसान हो रहा है.

विधायक महेश चौघुले के 50 लाख की विकास निधि से

अंजुरफाटा में शुरू हुआ रास्ता कंक्रीटीकरण का कार्य

- 7 लाख की निधि से बिछाई जाएगी पानी की पाइपलाइन

भिवंडी. विधायक महेश चौगुले के प्रयासों से सरकार द्वारा स्वीकृत 50 लाख रुपए के फंड से अंजुरफाटा इलाके में नवकार रेसीडेंसी से महावीर ड्रीमलेंड ,पटेल मधुवन,मिलान अपार्टमेंट गुलमोहर अपार्टमेंट ,ओमनिवास,गीता अपार्टमेंट होते हुए रॉयल अपार्टमेंट अंजुरफाटा तक कंक्रीट रास्ता बनाने के कार्य की शुरुआत की गई.उक्त क्षेत्र में ही 7 लाख के निधि से परिसर में पानी की पाईप लाईन लगाने की शुरुआत भी की गई.इस दौरान स्थानीय भाजपा विधायक महेश चौघुले ,पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी,हनुमान चौधरी, समाजसेवक नारायण चौधरी,राजू चौघुले, मनोज पाटिल, राजेश परिहार, चेतन मस्तान, सत्वशीला जाधव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे. उक्त अवसर पर भाजपा विधायक महेश चौगुले ने कहा हम जनता की सुविधा हेतु सभी विकास कार्यों को आगे भी इसी तरह से करते रहेंगे. हम जनता से किए गए वादों को पूरा करने में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ेंगे, ताकि जनता का आशीर्वाद हमें मिलता रहे. कंक्रीट सड़क निर्माण एवम पानी सुविधा के लिए नई पाइप डाले जाने पर क्षेत्रवासियों में अपार खुशी फैली है.

एसएसटी महाविद्यालय द्वारा रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियाँ

- छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और कृतज्ञता का विकास

उल्हासनगर. उल्हासनगर चार स्थित एसएसटी महाविद्यालय ने हर साल की तरह इस साल भी रक्षाबंधन के अवसर पर छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और कृतज्ञता की भावना विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

एनएसएस और डीएलएलइ विभाग के स्वयंसेवकों ने विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में जाकर पुलिसकर्मियों को राखीया बांधी और उनकी सेवा के लिए आभार प्रकट किया। डीएलएलइ विभाग ने पालवी मूकबधिर विद्यालय का दौरा किया और वहाँ के छात्रों को राखी बांधकर उनके चेहरों पर खुशी लाई। इसके साथ ही, वूमन डेवलपमेंट सेल ने बदलापुर के संगोपिता आश्रम में जाकर दिव्यांग छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया। 'ग्रीन क्लब' ने वृक्षों के संरक्षण का संदेश देते हुए पेड़ों को राखी बांधकर 'वृक्षाबंधन' मनाया। इसके अलावा, बीएएमएमसी विभाग ने महाविद्यालय में रक्षाबंधन का कार्यक्रम आयोजित किया।

महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में इन सभी गतिविधियों को प्राध्यापकों ने स्वयंसेवकों के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया।

बहत्तर गाला में कमरे की छत का हिस्सा गिरा

- मलबे में दबकर 15 वर्षीय बच्चे की मौत
- परिजनों में शोक की लहर

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन अंतर्गत कारीवली ग्राम पंचायत अंतर्गत 72 गाला स्थित 4 मंजिला जर्जर इमारत की दूसरी मंजिल पर फ्लैट की छत का प्लास्टर अचानक गिरने से कमरे में सो रहे 15 वर्षीय किशन संजय पटेल की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत हो गई है. स्थानीय पुलिस आकस्मिक मौत का मामला दाखिल कर विवेचना कर रही है.उक्त घटना से परिजनों में शोक की लहर फैली है.

मिली जानकारी के अनुसार, 72 गाला क्षेत्र स्थित 4 मंजिला जर्जर इमारत में यूपी निवासी मजदूर संजय पटेल का परिवार भाड़े से रहता है.रात करीब 9 बजे जब संजय पटेल की पत्नी संध्या खाना पका रही थी और उसका 15 वर्षीय बच्चा किशन पटेल जमीन पर सोया हुआ था.उसी दौरान कमरे की छत का अधिसंख्यक हिस्सा अचानक भारभरा कर जमीन पर सो रहे किशन पटेल के ऊपर धड़ाम से गिर गया. कमरे में सो रहे किशन के ऊपर अचानक मलबा गिरने से उसे आंख, मुंह, नाक, पेट,सिर सहित शरीर के तमाम हिस्सों में गंभीर चोटें लगीं.परिजनों द्वारा गंभीर रूप से घायल किशन पटेल को उपचार की खातिर आई जीएम अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है. पीड़ित परिजनों का आरोप है कि, बारंबार शिकायत के बाद भी इमारत मालिक जर्जर इमारत की रिपेयरिंग नहीं कराया जिससे जानलेवा हादसे में किशन पटेल की दर्दनाक मौत हो गई. कारीवली ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा जर्जर इमारत पर ध्यान नहीं देने से भी लोगों में नाराजगी फैली है. परिजनों ने इमारत मालिक पर आपराधिक मामला दाखिल किए जाने की मांग पुलिस अधिकारियों से की है.

आम सूचना

हम श्री शिवकुमार रामचेतन गुप्ता व श्री गणपत रामचेतन गुप्ता सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, बैरक नं. 627 के पास, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19एआय004349500) श्रीमती पुष्पा थावरदास लासी ने यह रुम श्री चुंदर सुगनोमल तहीलरामानी से दि. 2.6.1992 को एग्रीमेंट खरेदी किया है और श्री चंदर सुगनोमल तहीलरामानी ने यह रुम श्री श्याम किशीनचंद रोहरा से 14.5.1991 को एग्रीमेंट आफ सेल से खरेदी किया है। उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पुष्पा थावरदास लासी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.8.2024 सी.नं. 3736/2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री शिवकुमार रामचेतन गुप्ता
व श्री गणपत रामचेतन गुप्ता

एसएसटी कॉलेज द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन

उल्हासनगर. देशभर में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी के तहत एसएसटी कॉलेज की ओर से 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।रैली कॉलेज से शुरू होकर व्हीनस चौक और वापस कॉलेज तक पहुंची। इस मौके पर कॉलेज के एनएसएस इकाई, डीएलएलई इकाई के स्वयंसेवकों के साथ-साथ शिक्षक,अन्य कर्मचारी और प्राचार्य सहित बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' के नारे लगाए तथा ' सारे जहाँ से अच्छा, हिंदोस्ता हमारा' यह गाना भी गाया।

इससे पूर्व महाविद्यालय में संस्था के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ.पुरस्वानी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने अनुशासित ढंग से परेड प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ.पुरस्वानी ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए युवाओं से राष्ट्र पुरुषो का अनुसरण करते हुए देश के विकास के लिए कार्य करते रहने की अपील की।

CHANGE OF NAME

I Hereby Declare that, Since My Name in Old Driving Licence was wrongfully recorded with State Transport Department, Maharashtra as
MAHESH PRAKAS PHALLE
which I want to correct as
MAHESH PRAKASH PHALLE
for My New Driving Licence Application.
(Add:- 7/48, MHB Colony, Ambernath (West), 421505.)

शाहरुख के पास हैं 300 अवॉर्ड्स

- 9 मंजिला ऑफिस में इन्हें रखते हैं

शाहरुख खान ने हाल ही में खुलासा किया है कि उनके पास 300 अवॉर्ड्स हैं। उन्होंने अपने घर में एक कमरा भी बनवाया है, जहां वे इन अवॉर्ड्स को रखते हैं। शाहरुख ने यह भी कहा कि उन्हें अवॉर्ड्स लेने में कोई शर्म नहीं है। उन्हें दर्शकों से प्यार पाना बहुत पसंद है।

एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख से पूछा गया कि क्या उनके पास घर में अवॉर्ड्स रखने के लिए अलग से कोई स्पेशल जगह है? जवाब में एक्टर ने कहा- मेरा पास इस कमरे से भी बड़ा कमरा है। मेरे पास 300 अवॉर्ड्स हैं। मेरे पास 9 मंजिला ऑफिस है और हर मंजिल पर कुछ अवॉर्ड्स रखे गए हैं।

दरअसल, यह कोई ट्रॉफी रूम नहीं है। यह एक लाइब्रेरी है, जिसे इंग्लिश लाइब्रेरी की तरह डिजाइन किया गया है।

'मैं अवॉर्ड लेने के मामले में बेशर्म हूं'

जब शाहरुख से आगे पूछा गया कि क्या उन्हें अवॉर्ड्स लेना पसंद है, तब एक्टर ने कहा- मैं इसका आनंद लेता हूं। मैं इस मामले में बहुत बेशर्म हूं। मुझे अवॉर्ड पाना पसंद है। मुझे सेरेमनी बहुत पसंद है। अगर मुझे कोई स्पीच देना हो तो मैं थोड़ा घबरा जाता हूं। शाहरुख ने आगे कहा कि जब वे इंटरनेशनल स्टेज पर अवॉर्ड लेने के लिए मौजूद रहते हैं, तब उन्हें थोड़ी घबराहट होती है। वे अपने सेंस ऑफ ह्यूमर को भी कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं।

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099